वीरांगना अवंतीबाई की प्रतिमा का लोकार्पण

जनपद में कुछ विकास हुआ, कुछ बाकी है: सुरेश खन्ना

अवंतीबाई लोधी पराक्रमी, धैर्यशील स्त्री थीं: डीएम

पार्क में लगी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा

पुष्पांजलि करते कैबिनेट मंत्री

मूर्ति का अनावरण करते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना व जिला अध्यक्ष हरि प्रकाश वर्मा व अन्य

शेखर टाइम्स संवाददाता

शाहजहाँपुर । प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने ग्राम चिनौर में नगर निगम द्वारा निर्मित पार्क व आवंतीबाई लोधी मूर्ति का अनावरण किया। कलेक्ट्रेट स्थित पेंशनर पार्क का लोकापर्ण किया। उन्होंने वृक्ष भी रोपित किए और कहा कि पेंशनर पार्क के हो जाने से पेंशनर को बैठने उठने में सुविधाएं प्रदान होंगी।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रथम महिला शहीद वीरांगना अवन्ती बाई लोधी की स्मृति में नवनिर्मित पार्क व उनकी विशाल प्रतिमा बनाई गई।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जनपद में कुछ विकास हुआ, अभी काफी बाकी है। जिले को विभिन्न पार्कों की सौगात दी गई है। बाईपास बनवाया गया, तमाम ऐसी चीजे हैं जो जनपद की शोभा बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि वीरांगना के बलिदान का स्मरणीय है। जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना अंग्रेजों से लोहा लिया था। दो युद्ध में विजय होने के बाद तीसरे युद्ध में अंग्रेजों से पकड़ना स्वीकार नहीं किया और अपने अंगरक्षक की तलवार से जीवन समाप्त कर शहीद हो गईं।

मंत्री ने कहा नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न चौराहों को शहीदों एवं महापुरुषों के नाम पर विकसित किया जा रहा है इसी क्रम चिनौर में महारानी वीरांगना अवंती बाई लोधी के मूर्ति का अनावरण एवं पार्क का लोकार्पण आम जनमानस के लिए किया । मंत्री द्वारा लोगों से शहर को स्वच्छ रखने की अपील की गयी।भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष हरि प्रकाश वर्मा ने कहा कि मात्र 37 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों से लड़ाई करते हुए महारानी अवंती बाई वीरगति को प्राप्त हुई, इनके जीवन से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। रिंकू हत्या काण्ड पर कहा कि दोषियों को सजा दी जाएगी, यह कार्य उन लोगों ने निंदनीय किया है।

ज़िलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता प्रेमी वीरांगना अवंतीबाई लोधी पराक्रमी, धैर्यशील स्त्री थीं । 16 अगस्त को मध्यप्रदेश के सिवनी जनपद में राव जुंझारु सिंह के राजमहल में जन्म हुआ था। बचपन से ही उन्हें अश्वसंचालन, खड्गसंचालन, धनुर्विद्या एवं सैनिकी शिक्षा में रुचि थी ।

17 वर्ष की आयु में उनका विवाह रायगढ़ के महाराजा लक्ष्मणसिंह के सुपुत्र कुंवर विक्रमादित्य से हुआ । विवाहोपरांत उनका नाम अवंती रखा गया । महाराजा लक्ष्मणसिंह के निधन होनेपर विक्रमादित्य रायगढ़ के राजा बने । कुछ वर्षोपरांत राजा विक्रमादित्य का शरीर स्वास्थ और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगा । ऐसी स्थिति में शौर्यमूर्ति रानी अवंतीबाई ने राज्य का नेतृत्व संभालकर अपने साहस, धैर्य आणि प्रसंगावधान गुणों का परिचय दिया। समारोह को सांसद अरुण कुमार सागर, विधायक रोशन लाल वर्मा, चेतराम, ज़िला कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष डीपीएस राठौर, केएल वर्मा, जगदीश वर्मा, अमित वर्मा, अविनाश आर्य, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम नारायण मिश्र, राजीव कश्यप व स्वामी विजयदेव ने सम्बोधित किया। विधायक वीरविक्रम सिंह, सफ़ाई आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ, भाजपा महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, पूर्व सांसद मिथिलेश कुमार, निवर्तमान ज़िला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, निवर्तमान छावनी परिषद उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित, एडीएम वित्त गिरिजेश चौधरी व रामसेवक द्विवेदी, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, उप नगर आयुक्त आशुतोष कुमार दुबे, सहायक नगर आयुक्त अंगद गुप्ता, क्षमा वर्मा, डॉ अवनीश मिश्र, डॉ सुरेश मिश्र, बलवीर सिंह, गंगासागर वर्मा आदि मौजूद रहे।